विद्या भवन खोज-ख़बर

वर्ष–3 | अंक–6 | जनवरी–मार्च, 2015

www.vidyabhawan.org

शिक्षण में पेशेवर विकास ज़रूरी

अब शिक्षण को तकनीकी रूप से सरल नहीं कहा जा सकता है। यह बहुत हद तक एक जटिल और अकादमिक काम है और इसके निरंतर पेशेवर विकास की ज़रूरत होती है। विद्यार्थियों को क्या और कैसे पढ़ाएँ, इसमें शिक्षक की स्वायत्तता और वैयक्तिक प्रकृति का सम्मान होना चाहिए, तथापि 21वीं सदी में शिक्षण पहले से अधिक एक साझी/सहभागी प्रक्रिया हो गया है। आज तकनीकी विकास के साथ ही शिक्षक ख़ास किस्म के ज्ञान का अकेला विशेषज्ञ नहीं रह गया है; इसलिए सीखने व सिखाने में एकतरफा प्रेषण की बजाय संवादपरक शिक्षण को महत्त्व दिया जा रहा है। वर्तमान और भविष्य के विद्यार्थियों को सशक्त बनाने के लिए आज के शिक्षकों को सिद्धांत व वास्तविकता के आपसी रिश्ते की गहराई से पड़ताल करते हुए स्वयं के ज्ञान को विस्तृत करना होगा; नए विचार विकसित करने व उन्हें साझा करने और अपने काम को जाँचने के लिए सहकर्मियों के साथ सहभागिता करनी होगी; विद्यार्थियों की बात पर ध्यान देना होगा और उनको दिए गए कामों पर उनसे बात करनी होगी; विद्यालय के नीति–निर्माण में योगदान देना होगा तथा अभिभावकों और बाहरी साझेदारों के साथ मिलकर काम करना होगा।

&ilu dekj

निदेशक, विद्या भवन शिक्षा संदर्भ केन्द्र

अंदर देखें...

- ✓ राज्यपाल अवॉर्ड की तैयारी 3
- ✓ साझा किए सर्वे के निष्कर्ष 5
- ✓ तृणमूल विकास पर सेमिनार 7
- ✓ सफलता पाना बच्चों का खेल 8
- ✓ विद्या भवन को चल वैजयंती 10
- ✓ चेहरे पर उतारे कल्पनाओं के रंग 11
- ✓ खेल-खेल में सीखीं अवधारणाएँ 14
- ✓ सहभागी शासन ही श्रेष्ठ 15

विद्या भवन कृषि विज्ञान केन्द्र में राज्य स्तरीय किसान मेले को संबोधित करते डॉ. एस. अय्यप्पन।

राज्य स्तरीय कृषि मेले में नई तकनीक से रू-ब-रू हुए किसान

किसानों को बेहतर कृषि एवं आय संवर्द्धन की नई तकनीकों से परिचित कराने के लिए विद्या भवन कृषि विज्ञान केन्द्र पर 1–3 मार्च 2015 को राज्य स्तरीय किसान मेला लगाया गया। मेले का उद्घाटन कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग, भारत सरकार के सचिव एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के महानिदेशक डॉ. एस. अय्यपन ने किया।

डॉ. अय्यपन ने राष्ट्रीय कृषि नवोन्मेषी परियोजना (नीपा) के प्रसार में स्वयंसेवी संस्थाओं, विशेषकर विद्या भवन कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने ऐसे अनुसंधान एवं नवाचारों पर ज़ोर दिया जो जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों के बावजूद कृषि एवं पशुपालन को किसानों के लिए लाभदायक बना सकें। किसानों ने बताया कि 'नीपा' से उनकी आमदनी बढ़ कर 1 से 7 लाख रुपए तक हो गई है। उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसानों को सम्मानित किया गया। मेले को सांसद अर्जुनलाल मीणा, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.ओ.पी. गिल, राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर के कुलपति डॉ.ए.के.गहलोत, विद्या भवन सोसायटी के अध्यक्ष रियाज़ तहसीन, वी.बी.के.वी.के. के सलाहकार प्रो. शान्तिलाल मेहता, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आनन्द सिंह जोधा आदि ने भी संबोधित किया। कृषि प्रदर्शनी में किसानों ने टैक्नो–पार्क में टनल एवं पॉलिहाउस तकनीक, बूँद–बूँद सिंचाई, कई प्रकार की फसलों की किस्में एवं नवीन उपकरणों को देखा–समझा। विश्वविद्यालय सहित ग्रामीण व कृषि क्षेत्र में कार्यरत संस्थाओं व कम्पनियों ने रोचक स्टॉल लगाए। तकनीकी सत्रों में देश के जाने–माने कृषि वैज्ञानिकों ने व्याख्यान दिए।

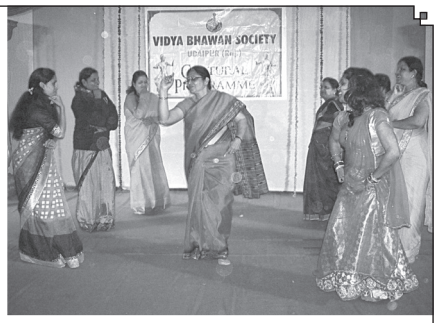

विद्या भवन के कार्यकर्ताओं के वार्षिक खेल एवं सॉंस्कृतिक कार्यक्रम का लगातार दूसरे वर्ष आयोजन हुआ। 30–31 जनवरी को एथलैटिक्स्, टीम स्पर्द्धाएँ एवं इण्डोर–गेम्स् हुए। सॉंस्कृतिक कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने अपनी बहुमुखी प्रतिभा का परिचय दिया। कुल 288 कार्यकर्ताओं ने आयोजन में उत्साह के साथ भाग लिया।

सम्पादकीय...

विद्या भवन में अपने कार्यों के अनुभवों से जनित समझ को संस्था में तथा संस्था के बाहर भी साझा करने की परम्परा रही है। 'विद्या भवन खोज-ख़बर' भी ऐसा ही एक मंच है जिसके माध्यम से विद्या भवन परिवार को आपस में संवाद करने, मनन करने व सराहना करने के अवसर उपलब्ध होते हैं। इस अंक के द्वारा आप एक बार पुनः विद्या भवन परिवार की एक-साथ मिलकर कार्य करने की भावना व क्षमता एवं एक-दूसरे के अनुभवों से सीखते हुए स्वयं को ऊपर उठाने की ख़ूबियों से रू-ब-रू होंगे। आप पाएंगे कि स्कूलों ने खेल, क्विज़ व सांस्कृतिक कार्यक्रम किए जिनमें उनकी नेतृत्व क्षमता व आत्मविश्वास का परिचय मिलता है। उच्च शिक्षण एवं तकनीकी संस्थान अपनी नवीन उपलब्धियों के द्वारा शैक्षिक क्षेत्र में अपनी छाप छोड़ते नज़र आते हैं। शिक्षक प्रशिक्षणों के क्षेत्र में विद्या भवन के महाविद्यालयों के कार्य व अनुसंधान सदैव उल्लेखनीय रहे हैं। बी.एड. का द्विवर्षीय पाठ्यक्रम विकसित करने में हमारी अनुभवी फैकल्टी ने स्वयं जुड़ कर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में एक अच्छे शिक्षक की भूमिका को तराशा है। विद्या भवन कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा आयोजित कृषि मेले में नई तकनीकी का प्रयोग करते हुए किसानों को अपनी आय बढ़ाने के तरीकों से अवगत कराया गया। संस्थाओं के रिपोर्टर्स के सक्रिय सहयोग से 'विद्या भवन खोज-ख़बर' का यह नया अंक आपके हाथ में है। इस पर हमें अपनी प्रतिक्रियाएँ अवश्य दें। आपकी समालोचनात्मक प्रतिक्रियाएँ हमें आगे कार्य करने का उत्साह प्रदान करती हैं।

विद्या भवन अकादमिक सलाहकार समिति

अकादमिक सलाहकार समिति की बैठक 16 जनवरी को कार्यकारी अध्यक्ष कमल महेन्द्रु की अध्यक्षता में हुई। सदस्यों का मत था कि विद्या भवन की पारम्परिक गतिविधियों के आयोजन नियमित हों और इनमें सभी संस्थानों के कार्यकर्ता शामिल हों। अधिकतर कार्यकर्ता इन आयोजनों को छुट्टी के रूप में लेते हैं। यद्यपि गत वर्ष दो दिवसीय खेल एवं सांस्कृतिक आयोजन किए गए जो सफल रहे। विद्या भवन की वार्षिक गतिविधियों का कैलेण्डर बनाने के लिए एक समिति का गठन करने का सुझाव दिया गया।

विद्यालयों के उप–समूह ने आगामी सत्र में नए प्रवेश बढ़ाने के प्रयासों की जानकारी दी। सदस्यों ने सुझाव दिया कि संस्थाओं द्वारा विद्यार्थियों की सीख में वृद्धि को जानने हेतु मूल्यांकन के कुछ साझा मानक बनाए जायें। विद्या भवन के स्कूलों की विशिष्टताओं को निर्धारित कर उनका आमजन में प्रसार करने की आवश्यकता महसूस की गई। शिक्षण के माध्यम के लिए हिन्दी व अंग्रेज़ी के दायरे से निकल कर बहुभाषिता को अपनाने का सुझाव दिया गया।

राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (एन.सी.टी.ई.) द्वारा बी.एड. पाठ्यक्रम को दो वर्ष का करने पर चर्चा हुई, जिसमें विद्यार्थियों को 20 सप्ताह स्कूल में काम करना होगा। सोसायटी अध्यक्ष रियाज़ तहसीन ने कहा कि विद्या भवन को इसे एक अवसर के रूप में लेना चाहिए; इस हेतु विस्तृत पाठ्यक्रम निर्माण के साथ ही हिन्दी व अंग्रेज़ी में पठन एवं सन्दर्भ सामग्री तैयार करनी चाहिए। विद्या भवन गो.से. शिक्षक महाविद्यालय के समन्वयन में संचालित शिक्षक प्रशिक्षण उप–समूह इस दिशा में पहल करे ताकि विद्या भवन राष्ट्रीय स्तर पर सन्दर्भ संस्था बने।

उच्च एवं तकनीकी शिक्षा उप–समूह ने बताया कि 'नैक' के सुझावों पर अमल किया जा रहा है ताकि रूरल इन्स्टीट्यूट को 'ए' ग्रेड मिले। 'रूरल' दृष्टिकोण से कुछ पक्षों का संचालन तथा शिक्षण एवं पुस्तकालय में नई तकनीक का समावेशन करना होगा। विद्या भवन के मीडिया सैण्टर के संचालन की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति के प्रयासों की जानकारी दी गई।

रिपोर्टर : डॉ. दीपक गुप्ता

मानव संसाधन एवं वित्त विभाग

विद्या भवन सोसायटी की कार्यकारिणी के निर्णयानुसार शिक्षण संस्थाओं में फीस के पुनर्निर्धारण के लिए कार्यकारिणी के चार सदस्यों एवं संस्था प्रधानों की समिति गठित की गई, जिसकी बैठक 10 जनवरी को हुई। समिति द्वारा फीस का वर्तमान ढाँचा, अनुमानित आय–व्यय, मौजूदा आधारभूत ढाँचा एवं उसका विकास, मानव संसाधन एवं उनके क्षमतावर्द्धन की लागत, सह–शैक्षिक गतिविधियों पर व्यय तथा आकस्मिक ख़र्चों के मद्देनज़र फीस में बढ़ोतरी की सिफारिश की जाएगी। विद्या भवन सोसायटी के आवासों के रखरखाव पर बढ़ते व्यय को ध्यान में रखते हुए विद्या भवन के अधिकारियों की 6 सदस्यीय समिति का गठन किया गया। समिति की बैठकें 24 दिसम्बर व 13 जनवरी को हुईं, जिनमें किराए के पुनर्निर्धारण पर विचार किया गया। विद्या भवन सोसायटी की खेल समिति एवं उप–समितियों के निर्देशन में 30–31 जनवरी को कार्यकर्ताओं के वार्षिक खेल एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। सोसायटी अध्यक्ष रियाज़ तहसीन ने सर्टिफिकेट प्रदान किये।

रिपोर्टर : ज़ाहिद मोहम्मद

सलाहकार
हृदय कांत दीवान

संपादन
हिमालय तहसीन ✦ गिरीश शर्मा ✦ अंजना राव

ले-आउट, डिजाइनिंग
एस.एम. इकराम

विद्या भवन सीनियर सैकण्डरी स्कूल

बसन्तोत्सव पर नृत्य और ऋतुराज।

आई बहार.....!

विद्यालय में 'ऋतुराज' की उपस्थिति में बसन्तोत्सव उत्साह के साथ मनाया गया। *'बने बसंतमय जीवन सभी का/मधुमय, पीतमय, स्वर्णमय जीवन सभी का'* गीत के साथ 24 जनवरी की सुबह उत्सव का आग़ाज़ हुआ। इस मौके पर विद्या भवन की संस्थाओं से साँस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं। मुख्य अतिथि राजस्थान की पूर्व निदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य डॉ. कुसुम माथुर ने कहा कि विद्या भवन की परम्परा में पल्लवित युवा आत्मविश्वास के साथ लक्ष्य प्राप्ति की ओर बढ़ें और उच्चतम लक्ष्यों को प्राप्त करें। उन्होंने महाकवि सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' को याद किया, जिनकी जयन्ती बसंत पंचमी पर मनाई जाती है। विद्या भवन सोसायटी के अध्यक्ष रियाज़ तहसीन ने कहा कि बहार आई है और कलियाँ फूल बन कर खिल रही हैं; इसी प्रकार ज्ञान के क्षेत्र में विद्यार्थियों व शिक्षकों को विकास करना चाहिए। उत्सव में विद्या भवन सोसायटी की कार्यकारिणी, विद्या भवन विद्या बंधु संघ एवं विद्या भवन की संस्थाओं के प्रधान व कार्यकर्त्ता उपस्थित थे। इस मौके पर रंगोली प्रतियोगिता व चित्रकला प्रतियोगिता हुई, जिसमें 25 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

नवीन प्रवेश हेतु तैयारी

अप्रैल से विद्यालय में नर्सरी से 12वीं कक्षा तक के नवीन प्रवेश प्रारंभ कर दिये गये हैं तथा अध्यापकों द्वारा टीमें बनाकर विद्यालय का प्रचार–प्रसार किया जा रहा है।

राज्यपाल अवॉर्ड की तैयारी

विद्यालय के 13 स्काउट्स् ने स्काउट मास्टर सुशील कुमार जोशी के नेतृत्व में तृतीय सोपान शिविर में भाग लिया। 4 स्काउट्स् ने द्वितीय व 9 स्काउट्स् ने तृतीय सोपान उत्तीर्ण किया। ये विद्यार्थी राज्यपाल अवॉर्ड की तैयारी करेंगे।

इसी प्रकार, राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड मण्डल कार्यालय उदयपुर के तत्त्वावधान में ज़िला स्तरीय जनजातीय द्वितीय, तृतीय सोपान प्रशिक्षण शिविर में शाला के 16 स्काउट्स् ने सहभागिता की। उदयनिवास में लगे शिविरों में विद्यार्थियों में सेवा–भावना से कार्य करने, स्व–अनुशासन, कार्य के प्रति समर्पण, दूसरों की सहायता, स्वच्छता जैसी भावनाएँ विकसित की गईं। सड़क सुरक्षा सप्ताह के तहत जागरूकता रैली में भी स्काउट्स् ने भाग लिया।

एन.सी.सी. शिविर, परीक्षा में शामिल

विद्यालय के 15 कैडेट्स् ने आर्मी कैण्ट में सी.ए.सी.टी. शिविर में भाग लिया। इस वर्ष 'ए' प्रमाण पत्र परीक्षा में विद्यालय के 14 कैडेट्स् ने भाग लिया। कैडेट्स् 26 जनवरी को ज़िला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में भी सम्मलित हुए।

विज्ञान प्रदर्शनी व करियर काउंसलिंग

कक्षा–11 व 12 के विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों ने विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी में हिस्सा लिया। उन्होंने दो वर्किंग मॉडल प्रदर्शित किए व क्विज़ में भाग लिया। गीतांजलि कॉलेज में आयोजित प्रदर्शनी में विद्यार्थियों को प्रमाण–पत्र दिए गए।

कक्षा–10 व कक्षा–12 के विद्यार्थियों को जीवन सागर व एस.एम. भाणावत ने मानसिक शक्ति बढ़ाने व परीक्षा में प्रश्नोत्तर को याद रखने के गुर सिखाए।

वाणिज्य संकाय के विद्यार्थियों को कक्षा–12 के बाद इस क्षेत्र में संचालित पाठ्यक्रमों के बारे में सी.ए. संजय जैन ने बताया। उन्होंने प्रवेश प्रक्रिया, परीक्षाओं की तैयारी सहित अन्य जानकारियाँ दीं।

गौरव, पूनम ने बनाए उत्कृष्ट चित्र

गुलाबबाग़ में आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में विद्यालय के 10 विद्यार्थियों ने भाग लिया। मातृ मंगलम ट्रस्ट द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में प्रथम समूह में कक्षा–10 की पूनम माल तृतीय स्थान पर रहीं; उन्हें पुरस्कार स्वरूप 500 रुपए व प्रमाण–पत्र दिए गए। द्वितीय समूह में कक्षा–12 के गौरव रेगर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया; उन्हें 1000 रुपए व प्रमाण–पत्र प्रदान किए गए।

बोरा रेस में भाग लेते विद्यार्थी।

वार्षिक खेल-कूद प्रतियोगिता

विद्यालय की वार्षिक खेल–कूद प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साह से भाग लिया। प्रतियोगिता में पाँच हाउसेज़ बनाए गए। जनरल चैम्पियनशिप कक्षा 11वीं विज्ञान के छात्र राजेश मीणा ने जीती। विजेता ग्रीन हाउस को चल वैजयंती प्रदान की गई तथा सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर डॉ. सी.पी. जोशी की ओर से प्रतिवर्ष दी जाने वाली 500 रुपए की प्रोत्साहन राशि दी गई।

पक्ष-विपक्ष में रखे विचार

विद्यालय ने 'स्कूलों में मोबाईल फोन को प्रतिबन्धित कर देना चाहिए' विषयक अन्तरविद्यालयी अंग्रेज़ी वाद–विवाद प्रतियोगिता आयोजित की, जो विद्या भवन पब्लिक स्कूल ने जीती। स्थानीय विद्यालय के विद्यार्थियों ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया।

इसी प्रकार, 'इन्टरनेटः वरदान या अभिशाप' विषयक अन्तरविद्यालयी वाद–विवाद प्रतियोगिता में विद्यालय

के कक्षा–8 के नैल्सन चार्ल्स, इरम निदा व अंजलि वैष्णव ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया।

अन्तरविद्यालयी अंग्रेज़ी कविता पाठ प्रतियोगिता में कक्षा 1 से 5 तक के छात्र–छात्राओं ने भाग लिया।

शुभकामनाओं के साथ विदाई

बारहवीं के विद्यार्थियों को कक्षा–11 के छात्र–छात्राओं ने विदाई दी। प्राचार्या ऊषा किरण ने बोर्ड परीक्षाओं में सफलता के लिए शुभकामनाएँ दी। मैस कर्मचारी किशनसिंह राठौड़ की सेवानिवृत्ति पर प्राचार्या ने शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया।

पुष्पों को निहारा

जूनियर के विद्यार्थी फतहसागर पाल पर लगी फूलों की प्रदर्शनी देखने गए। वहाँ उन्होंने फूलों के नाम व विभिन्न पौधों के बारे में जानकारी प्राप्त की और बाग़वान का साक्षात्कार किया। मीना माथुर ने फूलों की विशेषताओं के बारे में बताया।

अनुभवजनित कार्यशाला

विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए एक दिवसीय अनुभवजनित कार्यशाला में अध्यापिका रेणु बोर्दिया ने भाग लिया। संकल्प संस्था द्वारा आयोजित कार्यशाला में स्कूल की छात्रा अमातुल्ला के साथ अभिभावकों ने भाग लिया।

शैक्षिक भ्रमण

कक्षा–3 के विद्यार्थी पर्यावरण अध्ययन हेतु एनीमल एड व राजस्थान पशु चिकित्सालय गए। अन्ध विद्यालय में विद्यार्थियों का साक्षात्कार किया और अवलोकनों की रिपोर्ट पेश की।

प्रतियोगिताओं में भागीदारी

होली से पूर्व जूनियर स्कूल के सभी विद्यार्थियों ने रंगोली प्रतियोगिता में अपनी कलात्मकता को अभिव्यक्ति दी।

विज्ञान दिवस पर कक्षा 3 से 5 के विद्यार्थियों की तीन टीमें बना कर चार राउण्ड में प्रश्न पूछे गए व प्रथम, द्वितीय व तृतीय टीमों की घोषणा की गई।

जूनियर के सभी विद्यार्थियों के लिये नृत्य प्रतियोगिता हुई, जिसमें छात्र–छात्राओं ने रंगारंग प्रस्तुतियाँ दीं।

खूब खेले खेल

जूनियर स्कूल की वार्षिक खेल–कूद प्रतियोगिता में प्रत्येक विद्यार्थी ने तीन गतिविधियों में भाग लिया। रिंग, पी.टी. से प्रतियोगिता प्रारम्भ हुई। कक्षा 4 के छात्र जीवनलाल चैम्पियन बने।

अभिभावकों से संवाद

इस सत्र के तृतीय अभिभावक दिवस पर विद्यार्थियों की शैक्षिक व साँस्कृतिक भागीदारी पर अभिभावकों से चर्चा हुई।

रिपोर्टर : नारायण लाल आमेटा

नर्सरी की वार्षिक खेल–कूद प्रतियोगिता में भाग लेते नन्हे–मुन्ने।

अनुभव

...मोबाइल लाइब्रेरी ने दिए कच्ची बस्तियों के बच्चों को सीखने के मौके

विद्या भवन शिक्षा सन्दर्भ केन्द्र ने शहर की कच्ची बस्तियों में मोबाइल लाइब्रेरी का संचालन 2005 में शुरू किया। पाँच बस्तियों में संचालित लाइब्रेरी का समय सोमवार से शनिवार शाम 4 से 7 बजे का है। करीब 35 से 50 बच्चों को दो फैसिलिटेटर के सान्निध्य में कहानी सुनने, खेलने व अन्य गतिविधियों के साथ सीखने–सिखाने के मौक़े रहते हैं। मोबाइल लाइब्रेरी के साथ पिछले नौ वर्षों से जुड़े बच्चे स्कूल के व्यवस्थित माहौल से अलग अपनी मर्ज़ी से अपनी पसंद की किताबें पढ़ने की आदत बना पाए हैं। साल दर साल उन्हें पढ़ाई का एक वैकल्पिक रास्ता नज़र आने लगा है। साथ ही बच्चे करियर के सन्दर्भ में संवाद करते हुए देखे जा सकते हैं। हमने कभी ये नहीं कहा कि फलाँ पुस्तक क्यों गुम हो गई? जो सामग्री दी वो कहाँ है? क्योंकि हमारा उद्देश्य भरपूर सामग्री उपलब्ध करवाना था। बस्तियों के सरकारी व ग़ैर–सरकारी अध्यापकों के लिए वर्कशॉप भी करवाई। उनके सुझावों ने हमें आगे बढ़ाया। हालाँकि शुरूआत में जूझना पड़ा क्योंकि हम स्वैटर, कपड़े या खाने की वस्तुएँ नहीं बाँट रहे थे, बल्कि पढ़ने–लिखने पर बातचीत कर रहे थे एवं कहानी की पुस्तकें दे रहे थे। अभिभावकों को लगता कि इन किताबों को पढ़ने से क्या होगा? लेकिन धीरे–धीरे अभिभावकों एवं बस्ती के स्कूली शिक्षकों के नज़रिए में बदलाव आया और उनकी साझा समझ ने बच्चों को मोबाइल लाइब्रेरी से जोड़ा। हमारी टीम ने अनुपस्थित रहने वाले बच्चों व उनके अभिभावकों से संवाद किया। इससे लोगों में इस काम की पहचान बनी। इन बच्चों में लड़कियों की ज़्यादा संख्या ने अहसास कराया कि बालिका शिक्षा को भी मज़बूती मिल रही है। हम बच्चों की योग्यता व अपने काम में सुधार के पैमाने बनाने, किताबें चुनने में बच्चों को प्रभावित करने वाले कारकों का पता लगाने तथा इनका दस्तावेज़ीकरण करने का प्रयास कर रहे हैं। हमने महसूस किया है कि अभिभावकों तथा बस्ती के शिक्षकों से संवाद करना भी उतना ही ज़रूरी है जितना कि बच्चों को किताबें मुहैया कराना।

–यशपाल सिंह, विद्या भवन शिक्षा संदर्भ केंद्र

विद्या भवन सीनियर सैकण्डरी स्कूल, रामगिरि

मकर संक्राँति मनाई

विद्यालय में मकर संक्राँति पर्व पर विद्या भवन की सभी संस्थाओं के कार्यकर्ता तथा अभिभावकों ने भाग लिया। विद्या भवन सोसायटी के अध्यक्ष रियाज़ तहसीन ने प्राइमरी सैक्शन की नई इमारत का उद्घाटन किया। विशिष्ट अतिथि सोसायटी की कार्यकारिणी की पूर्व सदस्य डॉ. विनया पेण्ड्से थीं। विद्यार्थियों ने नाट्य कथा व नृत्य प्रस्तुत किए। प्राथमिक कक्षा के बच्चों ने पतंग केन्द्रित समूह नृत्य किया। माध्यमिक कक्षा के बच्चों ने मंजू श्रीमाली द्वारा रचित कविता पेश की। अन्य संस्थाओं की ओर से भी साँस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। इससे पूर्व, प्राइमरी के विद्यार्थियों ने रंग–बिरंगी पतंग बनाना सीखा। मतदान के लिए जागरूकता के नारे लिख कर पतंगें उड़ाई गईं और गन्ने के रस का आनन्द लिया गया।

खेल विद्यार्थी जीवन का अहम हिस्सा

अध्ययन के साथ खेल बच्चों के विकास के लिए ज़रूरी हैं। इसी के मद्देनज़र शाला में खेल–दिवस का आयोजन हुआ। विद्यार्थियों ने 100 मी., 200 मी., 800 मी. दौड़, स्लो–साइकिल रेस, चम्मच रेस, बाधा दौड़, भाला व गोला फेंक में भाग लिया। विजेताओं को विद्या भवन स्थानीय स्वशासन एवं उत्तरदायी नागरिकता संस्थान के अकादमिक सलाहकार के.सी. मालू ने पुरस्कृत किया।

पुष्पा संभाग स्तर पर प्रथम

महाराणा प्रताप की पुण्यतिथि पर सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में विद्यालय की नवीं कक्षा की पुष्पा डाँगी ने संभाग स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया। आठवीं कक्षा के रोहित सिंह पंवार को सांत्वना पुरस्कार मिला। प्रतियोगिता आलोक संस्थान में हुई, जिसमें उत्कृष्ट सहयोग पर शिक्षक ललित मेनारिया को सम्मानित किया।

ग्रामीणों से साझा किए सर्वे के निष्कर्ष

ग्यारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने रामगिरि तथा आसपास के क्षेत्र का आर्थिक, शैक्षिक तथा स्वास्थ्य संबंधित बिन्दुओं पर सर्वेक्षण किया। उन्होंने आँकड़ों का विश्लेषण कर निष्कर्ष निकाले जिन्हें रामगिरि में सभा कर के गाँववासियों के साथ साझा किया। प्रमुख निष्कर्ष उच्च शिक्षा का अभाव, 25 प्रतिशत लोगों में निरक्षरता, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता में कमी, पौष्टिक भोजन का अभाव आदि मुद्दे थे। विद्यार्थियों ने मानव विकास से जुड़ी कमियों को दूर करने के लिये लोगों से चर्चा की।

करियर काउन्सलिंग वर्कशॉप

विद्या भवन ऑडिटोरियम में कम्युनिटी डवलपमेन्ट थ्रु पॉलिटैक्निक द्वारा विद्यार्थियों को करियर के बारे में सोचने तथा उस दिशा में अग्रसर होने हेतु कार्यशाला की गई। शाला के 11वीं कक्षा के विद्यार्थियों ने उच्च शिक्षा के विभिन्न अवसरों व कोर्स की जानकारी पाई।

विद्या भवन बेसिक स्कूल में खेल प्रतियोगिताओं के विजेता विद्यार्थियों के साथ शिक्षक एवं अतिथि।

पक्षियों की चोंच की विशेषताएँ बताते विद्यार्थी।

कक्षाओं का प्रस्तुतीकरण

विभिन्न कक्षाओं ने ज्ञानवर्द्धक एक्ट तैयार कर प्रार्थना सभा में प्रस्तुत किए। कक्षा–5 ने राजस्थान की भौगोलिक स्थिति तथा संभागों को मानचित्र से समझाया। कक्षा–4 ने आसपास दिखाई देने वाले पक्षियों की चोंच की विशेषताओं को सचित्र समझाया। कक्षा–3 के नन्हे–मुन्नों ने 12 व 19 का पहाड़ा आसान कर के बताया तथा गणितीय आकृतियों को दैनिक उपयोग की वस्तुओं से जोड़ते हुए कविता सुनाई। 7वीं कक्षा ने आतंकवाद पर विचार रखे तथा कविता पेश की।

कृषि मेले का अवलोकन

कक्षा 9 व 11 के विद्यार्थी विद्या भवन कृषि विज्ञान केन्द्र पर कृषि मेले में गए और खेती व पशुपालन संबंधी जानकारी ली। उन्होंने कृषि भूमि, रासायनिक उर्वरक, बीज व आधुनिक मशीनों को जाना। उन्हें पशुओं में होने वाले रोगों, दूध उत्पादन क्षमता, प्रजनन तथा पशु आहार के बारे में बताया गया।

पत्र–वाचन व कहानी प्रतियोगिता

शाला में पत्र वाचन व कहानी प्रतियोगिता हुई। विद्यार्थियों ने दहेज प्रथा, कन्या भ्रूण हत्या, बाल विवाह, स्त्री शिक्षा, स्वास्थ्य व स्वच्छता पर पत्र–वाचन किया।

वाद–विवाद प्रतियोगिता में शिरकत

विद्या भवन सीनियर सैकण्डरी स्कूल, देवाली की ओर से विद्यालय में मोबाइल का उपयोग पर अंग्रेज़ी वाद–विवाद प्रतियोगिता में शाला की कक्षा–8 के विजयनाथ ने विपक्ष में तथा कक्षा–7 की हुनर पण्ड्या ने पक्ष में तर्क दिये।

रिपोर्टर : पुष्पा राजपूत

विद्या भवन पब्लिक स्कूल

www.vbpublicschool.org

विद्यार्थियों का नाटक प्रदर्शन

बच्चे अपनी आंतरिक प्रतिभा को दूसरों के सम्मुख प्रकट कर सकें एवं अमूर्त कल्पना को भी प्रदर्शित कर सकें, इस हेतु आठवीं कक्षा के विद्यार्थियों से नाटक करवाए गए। छात्र–छात्राओं ने समूहवार नाटक प्रदर्शन किए। नाटकों के विषय वर्तमान परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखते हुए चुने गए। बच्चों ने जहाँ 'दहेज प्रथा' 'महाराणा प्रताप का संघर्ष', 'स्त्री शिक्षा' व 'बाल विवाह' जैसे गंभीर विषयों पर अपने सरोकारों को अभिव्यक्त किया वहीं 'शेख़चिल्ली' का हास्य नाटक प्रस्तुत कर ख़ूब मनोरंजन किया।

फिल्मोत्सव व साँस्कृतिक कार्यक्रम

क्रिसमस के उपलक्ष्य में विद्यार्थियों को 3–डी तकनीक की बाल फिल्में दिखाई गईं। बच्चों ने विशेष 3–डी चश्मे पहने और फिल्मों का आनन्द लिया। प्राथमिक कक्षाओं के विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं समाधान किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में खान–पान की स्टॉल लगाई गईं। पकौड़ी व देशी राब के स्टॉल पर तो ख़ूब भीड़ लगी। अंत में कक्षा पार्टी हुई, जिसमें बच्चों ने सामूहिकता, सहयोग व मैत्रीभाव सीखा।

वार्षिक खेल प्रतियोगिता

विद्यालय की वार्षिक खेल–कूद प्रतियोगिता की मुख्य अतिथि कॉमनवेल्थ गेम्स की गोल्ड मैडलिस्ट माला सुखवाल थीं एवं अध्यक्षता विद्या भवन सोसायटी के अध्यक्ष रियाज़ तहसीन ने की। एथलैटिक्स् में 100 मी. व 200 मी. दौड़ एवं 400 मी. रिले–रेस के साथ ही छोटे बच्चों द्वारा कई रचनात्मक खेल आकर्षण का केंद्र रहे। खेल–कूद का उद्देश्य बच्चों में नेतृत्व क्षमता, सहयोग, दल–भावना एवं सद्भावना जैसे मानवीय गुणों का संवर्द्धन करना था।

वार्षिक खेल प्रतियोगिताओं के उद्घाटन समारोह में लयबद्ध व्यायाम प्रस्तुत करती छात्राएं।

मकर संक्राँति पर खेल व प्रदर्शनी

मकर संक्राँति पर विद्यालय के उद्यान में बच्चों ने सितोलिया, मारदड़ी और क्रिकेट खेला। विवेकानन्द के जीवन पर सचित्र प्रदर्शनी लगाई गई, जिसमें बच्चों ने रुचि ली। उन्होंने पुस्तक स्टॉल से रोचक पुस्तकें ख़रीदीं।

वार्षिक परीक्षाओं का आयोजन

फरवरी में पहली से आठवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों की वार्षिक परीक्षा शुरू हुई। मार्च में नवीं से ग्यारहवीं कक्षाओं की वार्षिक परीक्षा प्रारम्भ हुई। उत्साह व जिज्ञासा के मिले–जुले भावों के साथ छात्र–छात्राओं ने परीक्षा में हिस्सा लिया।

प्रारंभिक कक्षाओं की पिकनिक

बच्चों को तनाव रहित जीवन जीने की प्रेरणा देना एवं नवीन चीजों को प्रत्यक्षतः अनुभव कराने के उद्देश्य से अलग–अलग कक्षाओं की पिकनिक रखी गई। प्रथम व द्वितीय कक्षा के बच्चे गोवर्धन सागर पार्क गए, जहाँ उन्होंने विभिन्न खेल खेले और भ्रमण किया। कक्षा तीन, चार व पाँच के बच्चे फतहसागर के किनारे स्थित राजीव गाँधी पार्क गए। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गाँधी के जीवन व कार्यों की जानकारी प्राप्त की। बच्चों को विभिन्न जानवरों के मॉडल्स् ने ख़ूब लुभाया, वहीं वे उद्यान की सुंदरता से आनन्दित हुए।

प्रदर्शनी में अपनी रुचि की पुस्तकें देखते विद्यार्थी।

पुस्तक एवं पत्र–पत्रिका प्रदर्शनी

विद्यालय के पुस्तकालय में प्राथमिक कक्षा के बच्चों के लिए पाठ्यपुस्तकों एवं अन्य पुस्तकों के साथ विभिन्न प्रकार की पत्र–पत्रिकाओं का प्रदर्शन किया गया। मक़सद था पुस्तकों व पत्र–पत्रिकाओं के पठन एवं उनकी सार–संभाल में बच्चों की रुचि जगाना। बच्चों ने पुस्तकों का अवलोकन किया और घर ले जाकर पढ़ने के लिए अपनी–अपनी पसंद की किताबें चुनीं। पुस्तकालय की ओर से बच्चों को उनकी मनपसंद पुस्तकें निःशुल्क प्रदान की गईं। विद्यालय में बच्चों को रोचक एवं ज्ञानवर्द्धक पुस्तकों के अध्ययन के लिए सदैव प्रोत्साहित किया जाता है।

12वीं के विद्यार्थियों को विदाई

विद्यालय सभागार में 12वीं कक्षा के छात्र–छात्राओं का विदाई समारोह हुआ, जिसमें ग्यारहवीं कक्षा ने उपहार भेंट किए। बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने विद्यालय की स्मृतियों को दर्शाती एक लघु चित्र फिल्म बनाई, जिसका प्रदर्शन किया गया। प्रधानाचार्य नीरजा जैन ने विद्यार्थियों को पूर्ण लगन एवं मेहनत से परीक्षा की तैयारी करने तथा भावी जीवन में सफलता हेतु शुभकामनाएँ दीं।

रिपोर्टर : ललित पूर्बिया

विद्या भवन रूरल इंस्टीट्यूट

www.vbriudaipur.org

तृणमूल विकास पर राष्ट्रीय सेमीनार

महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के तत्त्वावधान में "तृणमूल स्तर का विकासः मुद्दे और चुनौतियाँ" विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमीनार हुआ। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के द्वारा प्रायोजित सेमीनार में मुख्य वक्ता राजस्थान लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. बी.एम. शर्मा थे। पाँच तकनीकी सत्रों में गुजरात, मध्य–प्रदेश, दिल्ली व राजस्थान के 25 प्रतिभागियों ने अपने शोध–पत्रों का वाचन किया। सेमीनार में अकादमिक जगत, पत्रकारिता, स्वयंसेवी संगठनों के सदस्य और जनप्रतिनिधि शामिल थे। विद्या भवन के प्रो. अरुण चतुर्वेदी और डॉ. मनोज राजगुरु द्वारा सम्पादित "भारतीय लोकतन्त्र और जन आन्दोलन" पुस्तक का विमोचन हुआ।

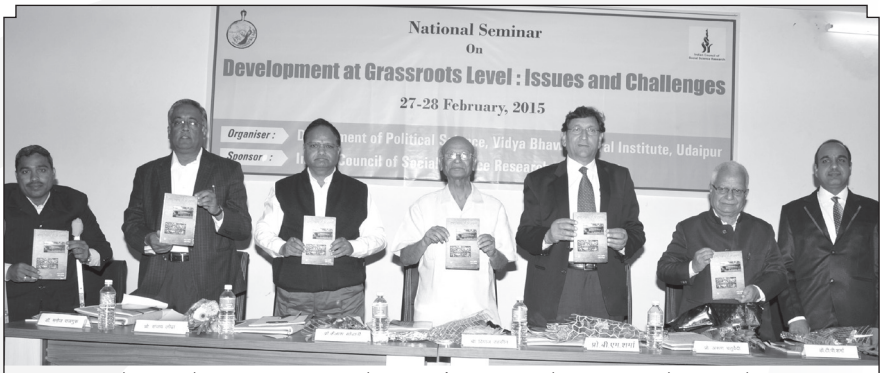

राष्ट्रीय सेमीनार में पुस्तक "भारतीय लोकतंत्र और जन आन्दोलन" का विमोचन करते अतिथि।

युवा सप्ताह का आयोजन

राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाइयों द्वारा विवेकानन्द जयंती पर युवा सप्ताह मनाया गया। निदेशक डॉ. टी. पी. शर्मा की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में स्वयंसेवकों ने विवेकानन्द के जीवन और कर्म पर प्रकाश डाला। आशु–भाषण में 25 स्वयंसेवकों ने भाग लिया। व्याख्यानमाला में डॉ. मनोज राजगुरु ने आदर्श समाज के निर्माण में युवाओं की भूमिका पर चर्चा की। 'महापुरुषों का इतिहास पढ़ना समय की बर्बादी नहीं है' विषयक वाद–विवाद, विभिन्न विषयों पर कविता पाठ व 'आधुनिक भारत बनाम परम्परा' विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता हुई। अंतिम दिन सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता हुई।

इग्नू इण्डक्शन प्रोग्राम

महाविद्यालय में इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय खुला विश्वविद्यालय (इग्नू) के केन्द्र की ओर से इण्डक्शन प्रोग्राम में 30 प्रतिभागी सम्मिलित हुए। उनकी जिज्ञासाओं व समस्याओं का समाधान सहायक निदेशक डॉ. रूपाली भार्गव तथा केन्द्र समन्वयक लक्ष्मणसिंह राजपूत ने किया।

मोनिका को पीएच.डी. की उपाधि

महाविद्यालय के वाणिज्य एवं प्रबन्ध संकाय की डॉ. मोनिका जैन को पैसिफिक विश्वविद्यालय ने पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की। डॉ. जैन ने "कस्टमर्स् परसैप्शन टूवर्ड्स् ई–बैंकिंगः ए स्टडी ऑफ द सलैक्टेड बैंक्स ऑफ सदर्न राजस्थान" विषय पर अपना शोध डॉ. राकेश दशोरा के मार्गदर्शन में किया। शोध में पाया कि ई–बैंकिंग के प्रति लोगों का रुझान बढ़ा है, इससे वित्तीय क्षेत्र में लोगों के कार्यों को सहजता प्राप्त हुई है, फिर भी निजी व सरकारी बैंकों के उपभोक्ताओं में समान जागरूकता के लिए निरन्तर प्रशिक्षण की ज़रूरत है।

परीक्षाएँ प्रारम्भ

फरवरी से विश्वविद्यालय की परीक्षाएँ प्रारम्भ हुईं। महाविद्यालय में करीब 400 विद्यार्थियों का परीक्षा केन्द्र है। यहाँ तीनों पारियों में परीक्षाएँ आयोजित की जा रही हैं। परीक्षाएँ मई तक चलेगी। इग्नू की परीक्षाएँ जून में होंगीं।

महाविद्यालय में प्रवेश जून से

महाविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया जून से प्रारम्भ होगी। प्रवेश सभी संकायों में दिया जाएगा। विद्यार्थियों के विषय चयन को लेकर किसी भी समस्या के समाधान के लिए महाविद्यालय के व्याख्याता कॉलेज में उपस्थित रहेंगे।

रिपोर्टर : डॉ. सुषमा जैन

विद्या भवन प्रकृति साधना केन्द्र

www.vbpsk.org

बर्डफेयर में शिरकत

वन विभाग द्वारा आयोजित 'बर्डफेयर' में विद्या भवन प्रकृति साधना केन्द्र के समन्वयक डॉ. आर.एल. श्रीमाल ने भाग लिया। शिविर में उदयपुर तथा आस–पास के क्षेत्र में स्थानीय तथा प्रवासी पक्षियों एवं वैटलैण्ड संबंधी जानकारियाँ दी गईं। बी.एन.एच.एस. के डॉ. असद रहमानी ने राजस्थान के विलुप्त होते पक्षियों के उपाय सुझाए। पक्षी प्रेमी विनय दवे ने केन्द्र पर पाए जाने वाले करीब 25 स्थलीय पक्षियों को सूचीबद्ध करवाया। इनमें गजपाँव, अन्धा बगुला, सींखपर, छोटी डुबडुबी, टुँईया तोता, मोर, हरा पतरंग, धवर फाख़्ता, ईंट कोहरी फाख़्ता, लालतुरचीक, हुदहुद, बड़ा मोहक, सफेद छाती किलकिला, भुजंगा, सफेद नचनी आदि प्रमुख हैं।

स्थलीय पक्षियों का सचित्र चार्ट

प्रकृति साधना केन्द्र पर स्थलीय पक्षियों का सचित्र चार्ट बनाया गया है। इससे शिविरार्थियों को पक्षियों की पहचान, स्वभाव आदि की जानकारी मिलेगी।

रिपोर्टर : डॉ. रमणिक लाल श्रीमाल

विद्या भवन पॉलिटैक्निक कॉलेज

www.vbpolytechnic.org

"सफलता पाना बच्चों का खेल ही है"

विद्या भवन ऑडिटोरियम में "दसवीं कक्षा के पश्चात् करियर सम्भावनाएँ" विषय पर सरकारी एवं निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए महाविद्यालय ने मोटिवेशन सेमिनार किया।

विद्यार्थियों ने शपथ ली, *"बड़े काम करना, बड़ा मुक़ाम हासिल करना बच्चों का खेल ही है इसलिए वे बड़ा मुक़ाम हासिल करके रहेंगे।"*

सेमिनार में दसवीं में उच्च अंक लाने व सिद्धांतों की सही समझ पर सलाह दी गई। मोटिवेशनल स्पीकर डॉ. दीपक गुप्ता, प्रकाश सुन्दरम एवं बिनानी सीमेंट के पूर्व उपाध्यक्ष वी.के. राँका थे।

स्वयं बनें परिवर्तन के वाहक

नगर विकास प्रन्यास के सचिव रामनिवास मेहता ने महाविद्यालय के विद्यार्थियों को व्यक्तित्व विकास पर व्याख्यान दिया। अपने लम्बे व सफल प्रशासनिक अनुभव को साझा करते हुए उन्होंने कहा कि हम दुनिया में जो परिवर्तन देखना चाहते हैं, उसके स्वयं वाहक बनना चाहिए।

उद्यमिता जागृति शिविर

राजकोन व भारत सरकार के एन.एस.टी.ई.डी.बी., साइंस एण्ड टैक्नोलॉजी विभाग द्वारा उद्यमिता जागृति शिविर

महाविद्यालय की ओर से आयोजित मोटिवेशनल सेमिनार में प्रश्न करती छात्रा।

में युनिवर्सिटी ऑफ वैस्टर्न सिडनी, ऑस्ट्रेलिया के प्रो. बसंत माहेश्वरी ने कहा कि सफल उद्यमी बनने के लिए उपलब्ध संसाधनों के पूर्ण दोहन एवं रिस्क लेने की क्षमता होना आवश्यक है। कार्यक्रम में सी.टी.ए.ई. के पूर्व डीन प्रो. आर.सी. पुरोहित, लीड बैंक के चीफ मैनेजर बी.एल. मीणा एवं राजकोन के डिप्टी मैनेजर देवेन्द्र शर्मा ने उद्यमिता विकास की योजनाओं की जानकारी दी।

सस्टेनेबल एन्वायरन्मैण्ट पर कोर्स

महाविद्यालय में आई.सी.टी. के माध्यम से नाईटर, चण्डीगढ़ द्वारा 'सस्टेनेबल एन्वायरन्मैण्ट मैनेजमैण्ट' पर पाँच दिवसीय शॉर्ट–टर्म कोर्स हुआ। प्राचार्य अनिल मेहता ने नाईटर, चण्डीगढ़ के टी.वी. स्टूडियो के माध्यम से देश भर के पॉलिटैक्निक प्राध्यापकों को 'वेस्ट वाटर मैनेजमैण्ट रीडिफाइन्ड' विषयक व्याख्यान दिया। पाठ्यक्रम के दौरान पर्यावरणीय मुद्दों, एयर क्वालिटी मैनेजमैण्ट, सस्टेनेबल कन्सट्रक्शन प्रैक्टिसेज़, स्मार्ट सिटीज़–कॉन्सैप्ट एण्ड प्रैक्टिसेज़, मिटिगेशन ऑफ एनर्जी पावर्टी थ्रू क्लीन एनर्जी विषयक व्याख्यान हुए।

चीरवा टनल का कार्य देखा

सिविल इंजीनियरिंग विभाग के विद्यार्थी फील्ड विज़िट के लिए चीरवा टनल देखने गए। उन्होंने 100 करोड़ रुपए की लागत से बन रही चीरवा टनल परियोजना को देखा और एलाइनमैण्ट, खुदाई, शॉटक्रीट, टनल लाइनिंग, एक्सपान्शन जॉइण्ट संबंधी तकनीकी कार्यों को समझा।

आधारभूत ढाँचा विकास पर चर्चा

नाइटर चण्डीगढ़, चितकारा विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश, इन्स्टीट्यूट ऑफ इन्जीनियरर्स् (इण्डिया), पंजाब एवं

राष्ट्रीय कार्यशाला को संबोधित करते प्राचार्य।

शैक्षणिक संवाद की पत्रिका

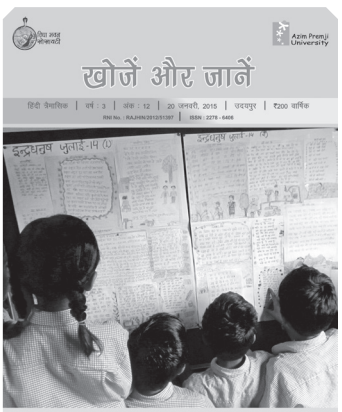

दीवार की बात

'खोजें और जानें' का अंक–12 "दीवार की बात" प्रकाशित हुआ। अंक में दीवार पत्रिका पर केंद्रित ऐसी अनुभवजन्य सामग्री को समावेशित किया गया है जो शिक्षण में दीवार के सृजनात्मक उपयोग की वक़ालत करती है।

कक्षा में पाठ्यपुस्तक के इतर पढ़ने–लिखने के स्वतंत्र अवसर उपलब्ध करवाने और बच्चों की मौलिक अभिव्यक्ति तथा रचनात्मकता को नई दिशा देने में दीवार पत्रिका की महत्त्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करने का प्रयास इस अंक में किया गया है।

चण्डीगढ़ के सिविल इन्जीनियरिंग विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में 'सस्टेनेबल इन्फ्रास्ट्रक्चर डवलपमैण्ट–2015' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में प्राचार्य अनिल मेहता मुख्य वक्ता थे। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण एवं आधारभूत ढाँचे के विकास में संतुलन पर ज़ोर दिया।

ज्ञान चौपाल में प्रस्तुति

राजस्थान सरकार के उच्च शिक्षा व तकनीकी विभाग ने संस्था के श्रेष्ठ कार्यों को देखते हुए सम्भाग स्तरीय ज्ञान चौपाल में आमंत्रित किया। कार्यक्रम में पॉलिटैक्निक की गतिविधियों व उपलब्धियों पर प्रस्तुतीकरण हुआ। इस दौरान उच्च शिक्षा आयुक्त ए.के. साहनी, तकनीकी शिक्षा निदेशक एस.के. सिंह, सुखाड़िया विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आई.वी. त्रिवेदी एवं राजीव गाँधी जनजाति विश्वविद्यालय के कुलपति टी. सी. डामोर उपस्थित थे।

राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता

महाविद्यालय के प्राध्यापक चन्द्रेश अरोड़ा ने राजस्थान टैक्निकल युनिवर्सिटी, कोटा के सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित 'एडवान्सेज़ इन जियोटैक्निकल इंजीनियरिंग एण्ड प्रैक्टिसेज़' विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

शिविर में रक्तदान करते विद्यार्थी।

61 यूनिट रक्तदान

महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई, महावीर इन्टरनेशनल, आर.एन.टी. मेडिकल कॉलेज ब्लड बैंक व डॉ. मोहन सिंह मेहता मैमोरियल ट्रस्ट के सहयोग से रक्त जाँच व रक्तदान शिविर लगाया गया। विद्यार्थियों व संकाय सदस्यों ने 61 यूनिट रक्तदान किया।

करियर सम्भावनाओं पर वार्ता

सचिन मोटर्स प्रा.लि. के महाप्रबन्धक संजय जॉर्ज ने करियर सम्भावनाओं पर अन्तिम वर्ष के विद्यार्थियों के साथ वार्ता की तथा पियाजियो कम्पनी में प्लेसमैण्ट के लिए आमंत्रित किया।

विवेकानन्द पर चित्र प्रदर्शनी

विवेकानन्द की 151वीं जयन्ती पर महाविद्यालय तथा विवेकानन्द केन्द्र, कन्याकुमारी के संयुक्त तत्त्वावधान में प्रदर्शनी लगी, जिसमें उनके बचपन, भारत भ्रमण, शिकागो यात्रा एवं विश्व धर्म संसद को संबोधन, मानवता का संदेश तथा रामकृष्ण मिशन की स्थापना को चित्रों के माध्यम से बताया गया।

खेल-कूद व साँस्कृतिक कार्यक्रम

महाविद्यालय में वॉलीबॉल, क्रिकेट, ट्रेजर हण्ट, प्रश्नोत्तरी, रंगोली, मेहंदी, सलाद सज्जा, हेयर स्टाइलिंग, नेल आर्ट प्रतियोगिताएँ हुईं। वार्षिक उत्सव 'टैक्नोबीट्स्' के साथ खेल एवं साँस्कृतिक आयोजनों का समापन हुआ। मुख्य अतिथि यू.सी.सी.आई. के पूर्व अध्यक्ष रमेश चौधरी ने कहा कि स्वच्छता, साक्षरता एवं युवाओं में हुनर के विकास से ही देश की समग्र प्रगति होगी। विद्या भवन सोसायटी के अध्यक्ष रियाज़ तहसीन ने कहा कि युवा वर्ग मकड़ी से प्रेरणा लेते हुए श्रेष्ठ विचारों एवं स्वैच्छिकता के ताने–बाने के साथ अवसरों को पकड़े। वे विषम परिस्थितियों में भी धैर्य को बनाये रखें एवं निरन्तर कर्मशील रहें।

आगामी त्रैमास के कार्यक्रम

– विद्यार्थियों की फील्ड विज़िट।
– पूर्व विद्यार्थी संघ का स्नेह मिलन व सम्मान समारोह एवं अन्तिम वर्ष के विद्यार्थियों को विदाई।

रिपोर्टर : सोनू हिरावत

विद्या भवन आँगनवाड़ी कार्यकर्ता प्रशिक्षण केन्द्र

www.vbawtc.org

बच्चों के लिए वर्क-बुक तैयार की

3–6 वर्ष तक के बच्चों के लिए वर्क–बुक तैयार करने के लिए एस.आई.ई.आर.टी. में कार्यशाला हुई, जिसमें संस्थान की प्रभारी हरिबाला शर्मा ने भाग लिया। वर्क–बुक के निर्माण में बच्चों के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक सहित उनके सर्वांगीण विकास से संबंधित पक्षों को ध्यान में रखा गया।

बाल विवाह निषेध पर प्रशिक्षण

केंद्र की वर्षा चौधरी एवं मधु धायभाई ने जयपुर में बाल विवाह निषेध से सम्बन्धित प्रशिक्षण में भाग लिया। ममता संस्थान द्वारा आयोजित प्रशिक्षण में बाल विवाह निषेध अधिनियम–2006 पर चर्चा की गई तथा राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम और बाल विवाह के बारे में ज़िलेवार जानकारी दी गई।

गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं ने किया अध्ययन

महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय की बी.एस.सी. अंतिम वर्ष की तीन छात्राएँ चार माह के लिए केन्द्र पर प्रशिक्षण हेतु आईं। उन्होंने केन्द्र की व्यवस्था, प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं प्रशिक्षणार्थियों का अध्ययन किया। छात्राओं ने शालापूर्व शिक्षा की सहायक सामग्री तैयार की तथा केन्द्र पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सक्रिय सहयोग दिया।

जैण्डर बजटिंग पर कार्यशाला

विद्या भवन स्थानीय स्वशासन एवं उत्तरदायी नागरिकता संस्थान द्वारा जैण्डर बजटिंग पर कार्यशाला में संस्थान की हरिबाला शर्मा ने भाग लिया तथा महिला एवं बाल विकास समूह का संयोजन किया।

रिपोर्टर : नरेश राव

विद्या भवन गोविन्दराम सेकसरिया शिक्षक महाविद्यालय

चल वैजयंती के साथ विजेता छात्राध्यापिकाएँ।

अखिल राजस्थान एस.एन. मुखर्जी वाद-विवाद प्रतियोगिता

महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य प्रो. एस.एन. मुखर्जी की स्मृति में अखिल राजस्थान एस.एन. मुखर्जी अन्तरमहाविद्यालयी वाद–विवाद का आयोजन सेवा प्रसार विभाग (सी.टी.ई.) एवं स्नातक परिषद् के संयुक्त तत्वावधान में हुआ। "एक वर्षीय बी.एड. पाठ्यक्रम गुणवत्तापूर्ण शिक्षक तैयार करने हेतु पर्याप्त है" विषयक वाद–विवाद में राजस्थान के सी.टी.ई. एवं शिक्षक महाविद्यालयों से 15 टीमों ने भाग लिया। प्रथम स्थान महाविद्यालय की छात्राध्यापिका हेतल वर्मा, द्वितीय निम्बार्क शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय की सुरभि श्रीमाली एवं तृतीय स्थान महाविद्यालय की छात्राध्यापिका शमीम कादर ने प्राप्त किया। महाविद्यालय स्तर पर विद्या भवन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। मुख्य अतिथि मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के शिक्षा संकाय की अधिष्ठाता प्रो. साधना कोठारी ने कहा कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों की सृजनात्मकता का विकास होता है। विद्या भवन सोसायटी अध्यक्ष रियाज़ तहसीन ने कहा कि शिक्षक किसी समय–सीमा में नहीं बँधता, न ही उसे डिग्री में बाँधा जा सकता है। शिक्षक को सतत् सीखने की आवश्यकता है। प्राचार्या प्रो. दिव्यप्रभा नागर ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर अधिक मंथन करने की आवश्यकता है। इसमें स्वयं शिक्षक की इच्छा सर्वोपरि है।

iLrd foekpu% कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के व्याख्याता डॉ. मितेश जुनेजा की पुस्तक 'जनजातियों में स्वास्थ्य एवं मानवाधिकार चेतना' का विमोचन किया गया। यह पुस्तक उनके शोध कार्य पर आधारित है।

खण्ड शिक्षण अभ्यास में चलाए स्कूल

महाविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए दस दिवसीय खण्ड–शिक्षण अभ्यास कार्यक्रम कानोड़, सोनाणा खेतलाजी, घाणेराव, चारभुजा, चित्तौड़ एवं ऋषभदेव में संपन्न हुआ। 30–30 विद्यार्थियों के प्रत्येक समूह के साथ दो पर्यवेक्षक थे। उन्होंने वास्तविक परिस्थितियों में स्कूल व्यवस्था समझी और नवाचार युक्त शिक्षण कार्य किया; खेल–कूद व अन्य प्रतियोगिताएँ करवाईं। कार्यालय सम्बन्धी प्रक्रियाएँ समझते हुए विभिन्न प्रपत्र भरना सीखा। सायंकालीन बैठकों में अनुभवों का आदान–प्रदान किया गया। क्रियात्मक अनुसंधान एवं केस स्टडी की गईं। प्राध्यापकों ने संबंधित विद्यालय के शिक्षकों को शैक्षणिक सहयोग भी दिया।

सॉंस्कृतिक कार्यक्रम में भागीदारी

विद्या भवन सोसायटी से जुड़े शैक्षणिक एवं ग़ैर–शैक्षणिक कर्मचारियों की खेल–कूद प्रतियोगिता में क्रिकेट बॉल थ्रो में प्राध्यापक कुमकुम सालवी, स्लो साइकिल रेस में डॉ. मितेश जुनेजा और बाधा दौड़ में डॉ. स्मिता पंचोली ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। चम्मच रेस में डॉ. मनीषा शर्मा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। सॉंस्कृतिक कार्यक्रम में प्राध्यापिका कुमकुम सालवी ने गीत गाया।

एम.एड. विद्यार्थियों हेतु कार्यशाला

एम.एड. के पाठ्यक्रमानुसार छात्राध्यापकों को बी.एड. की कक्षाओं में शिक्षण करना होता है। इस हेतु दो दिवसीय नवाचार युक्त पाठ योजना निर्माण कार्यशाला हुई, जिसमें बी.एड. पाठ्यक्रम के अनिवार्य व ऐच्छिक विषयों की विषय–वस्तु पर दल शिक्षण, पैनल चर्चा, समूह चर्चा, मस्तिष्क उद्वेलन व निर्मितिवाद पर आधारित पाठ योजना निर्माण सीखा। उन्होंने समूह में पाठ–योजनाएँ तैयार कीं और शिक्षण में तकनीकी का उपयोग करना सीखा।

प्रीति व शंकरलाल चैम्पियन

महाविद्यालय की वार्षिक खेल–कूद प्रतियोगिता का प्रारम्भ निदेशक प्रो. दिव्य प्रभा नागर द्वारा झण्डारोहण के साथ हुआ। उन्होंने कहा कि एक शिक्षक के लिए शिक्षण के साथ शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ रहने की आवश्यकता है। प्रतियोगिताओं के तहत् छात्रा वर्ग में प्रीति राठौड़ तथा छात्र वर्ग में शंकरलाल खटीक चैम्पियन बने। छात्राध्यापकों ने 100, 200 व 800 मीटर दौड़, हाई जम्प, लॉन्ग जम्प, क्रिकेट बॉल थ्रो, जेवेलियन थ्रो, शॉट पुट, बाधा दौड़ में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रतियोगिताओं में भागीदारी व विजय

महाविद्यालय के छात्राध्यापकों ने विभिन्न महाविद्यालयों में हुई प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। ऐश्वर्या शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में हुई अन्तरमहाविद्यालयी निबंध प्रतियोगिता में विजय जोशी ने तृतीय एवं पोस्टर प्रतियोगिता में राकेश सुथार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। महाविद्यालय की शमीम कादर, दिव्या तंवर, दिलीप कलाल, निशा मेघवाल ने भी भाग लिया। विद्या भवन रूरल इंस्टीट्यूट में हुई प्रतियोगिता में रमेश सुथार व प्रदीप चौहान ने रंगोली में प्रथम तथा प्रिया सुथार व ज्योति जीनगर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

पाठ्यक्रम निर्माण में सहयोग

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के बी.एड. के नवीन पाठ्यक्रम को तैयार करने के लिए महाविद्यालय की निदेशक प्रो. दिव्यप्रभा नागर, प्रो. एम.पी. शर्मा, प्रो. सुषमा तलेसरा एवं सभी संकाय सदस्यों ने सहयोग किया। प्रो. ए.बी. फाटक के नेतृत्व में पाठ्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई।

'सोसायटी डे' मनाया

महाविद्यालय में 'सोसायटी डे' के तहत प्रत्येक सोसायटी ने शैक्षिक व सामाजिक संस्थाओं का अवलोकन कर रिपोर्ट तैयार की। इसका उद्देश्य छात्राध्यापकों को संस्थाओं की कार्य–प्रणाली, प्रबंधन, अधिगम परिस्थितियों, चुनौतियों को जान कर उनमें विविध सामाजिक व साँस्कृतिक परिवेश में रह रहे समुदायों के बच्चों से भावनात्मक जुड़ाव व उनके अनुभव जानना था। इस हेतु अंध विद्यालय, मंदबुद्धि विद्यालय, समावेशी विद्यालय, आशाधाम, महेशाश्रम, नारायण सेवा संस्थान एवं थियोसोफिकल सोसायटी का अवलोकन किया गया।

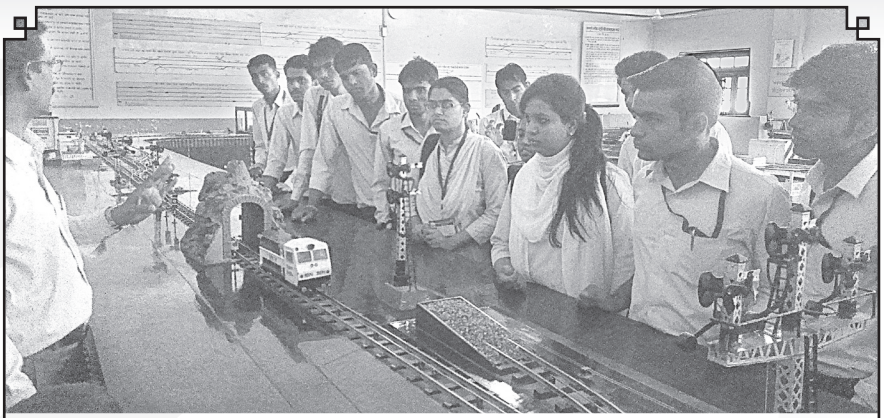

क्षेत्रीय रेल प्रशिक्षण संस्थान के मॉडल–रूम में रेलवे के संचालन को समझते भूगोल परिषद् के विद्यार्थी।

अधिगम सामग्री निर्माण कार्यशाला

शिक्षण अधिगम सामग्री निर्माण एवं आई. सी.टी. के प्रयोग पर कार्यशाला हुई। विद्यार्थियों ने अपने शिक्षण विषय पर सम्प्रत्यय मानचित्र एवं स्लाइड्स् बनाईं और समूह में मॉडल तैयार किए।

रिपोर्टर : संतोष उपाध्याय

विद्या भवन गाँधी शिक्षा अध्ययन संस्थान

www.vbgies.org

जाना मौसम का हाल

महाविद्यालय के भूगोल विषय के विद्यार्थियों ने डबोक हवाई अड्डा स्थित मौसम प्रेक्षणशाला तथा एयर ट्राफिक कण्ट्रोल सिस्टम (ए.टी.सी.) का अवलोकन किया। विद्यार्थियों ने हवाई यातायात के नियंत्रण व मौसम संबंधी उपकरणों को समझा तथा ए.टी.सी. द्वारा विमान को रनवे पर उतरने की अनुमति के संबंध में इन उपकरणों से प्राप्त आँकड़ों के महत्त्व को जाना।

विद्यालय अनुभव कार्यक्रम

महाविद्यालय का विद्यालय अनुभव कार्यक्रम निकटवर्ती बुझड़ा, थूर, गौरेला, ब्राह्मणों की हुन्दर, नया खेड़ा व विद्या भवन उच्च माध्यमिक विद्यालय, रामगिरी में सम्पन्न हुआ। संस्था प्रधानों ने छात्राध्यापकों को प्रबंधन, कार्यप्रणाली, साँस्कृतिक गतिविधियाँ, रिकॉर्ड रखना, योजनाएँ तथा एथलैटिक्स् के ट्रैक निर्माण, स्कोरिंग व निर्णयन संबंधी मार्गदर्शन दिया।

विश्वविद्यालय टीम ने किया निरीक्षण

सुखाड़िया विश्वविद्यालय के निरीक्षण दल ने महाविद्यालय के भौतिक व मानवीय संसाधनों का निरीक्षण किया और यहाँ संचालित गतिविधियों की सराहना की। उन्होंने महाविद्यालय भवन में रेन–वॉटर हार्वेस्टिंग तथा सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने का सुझाव दिया।

फेस पेण्टिंग करता चितेरा और चित्रित चेहरा।

चेहरे पर उतारे कल्पनाओं के रंग

"फेस पेण्टिंग" प्रतियोगिता में छात्राध्यापकों ने अपनी कल्पना के सम्मिश्रण से तितली, साँप, चाँद, सूरज, भारत का मानचित्र, अर्द्ध नारीश्वर, शेरनी, कन्या भ्रूण हत्या, कृष मास्क, वर्ल्ड कप, तिरंगा का चेहरों पर अंकन किया। प्रतियोगिता में सुरेन्द्र सिंह प्रथम व सुरेन्द्र चारण द्वितीय रहे। इसी प्रकार, कहानी कला को निखारने के लिये चार समूहों में 'टूटा हुआ सपना', 'वो सर्दी की छुट्टियाँ', 'ज़हरीला बुख़ार', 'रामलीला' तथा 'गुमशुदा बालक' कहानियाँ रची गईं।

नैक अवेयरनेस सेमिनार

सुखाड़िया विश्वविद्यालय में दो दिवसीय "NAAC Awareness for Non-accredited Colleges under the National Quality Renaissance Initiative (NQRI) of NAAC" विषयक सेमीनार में प्राचार्य डॉ. सुगन शर्मा एवं कुमुद पुरोहित ने भाग लिया। संदर्भ व्यक्ति नैक के उत्तरी क्षेत्र की समन्वयक डॉ. के. रमा देवी, इन्दौर के पूर्व कुलपति प्रो. छापरवाल एवं सुखाड़िया विश्वविद्यालय के प्रबन्ध अध्ययन संकाय के निदेशक प्रो. करुणेश सक्सेना थे।

केस स्टडी पर प्रसार वार्ता

विद्या भवन गो.से. शिक्षक महाविद्यालय की सी.टी.ई. समन्वयक प्रो. सुषमा तलेसरा ने केस स्टडी पर प्रसार वार्ता दी। उन्होंने भावी शिक्षकों को अपने विद्यार्थियों का मानसिक स्वास्थ्य सुनिश्चित करने वाले काउन्सलर की भूमिका निर्वाह करने का आग्रह किया। उन्होंने शिक्षकों को सूक्ष्म अवलोकन तथा संवेदनशील उपचार के लिए प्रक्षेपी तकनीकों जैसे रोल प्ले, डॉल प्ले, कहानी, पिकनिक, संगीत, नृत्य, संवाद के प्रयोग से अवगत कराया।

श्वेता व भैरूलाल बने चैम्पियन

महाविद्यालय की वार्षिक खेल प्रतियोगिताओं में 100, 200 व 400 मीटर दौड़, 4×100 मीटर रिले, चम्मच दौड़, भाला, गोला व तश्तरी फेंक स्पर्द्धाओं में छात्राध्यापकों ने जोश के साथ भाग लिया। 'बैस्ट एथलीट' महिला वर्ग में श्वेता व्यास तथा पुरुष वर्ग में भैरूलाल भाटी चुने गए। इससे पूर्व, छात्राध्यापकों ने श्रमदान कर महाविद्यालय के खेल मैदान को तैयार किया तथा एथलैटिक्स् स्पर्द्धाओं के लिए मार्किंग की।

पाठ्यक्रम निर्धारण में सहभागिता

स्नातक शिक्षण प्रशिक्षण के लिए सुखाड़िया विश्वविद्यालय के द्विवर्षीय नवीन पाठ्यक्रम निर्धारण की कार्यशालाओं में प्राचार्या डॉ. सुगन शर्मा, संकाय सदस्य डॉ. अशोक श्रीवास्तव, तारा कुमावत, सुषमा इण्टोदिया एवं ममता श्रीमाली ने भाग लिया। उन्होंने रिफ्लैक्टिव व्याख्यान, गतिविधि आधारित शिक्षण में प्रक्रिया उद्देश्य निर्मित करने जैसे सुझाव दिए।

शिक्षिका के साथ विज्ञान का प्रयोग करती छात्राएँ।

विज्ञान पर क्विज़, बनाए मॉडल

विज्ञान दिवस पर महाविद्यालय के प्रकृति समूह के छात्राध्यापकों ने विद्या भवन सीनियर सैकण्डरी स्कूल, रामगिरि के कक्षा छः व सात के विद्यार्थियों के लिए क्विज़ आयोजित की। प्रदर्शनी का उद्घाटन महाविद्यालय के विज्ञान शिक्षक डॉ. अशोक श्रीवास्तव एवं शाला प्राचार्य मधुलिका कोठारी ने किया, जिसमें आंतरिक परावर्तन से घरों में प्रकाश, जनता शीतक, सौर ऊर्जा एवं ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोत, खनन प्रकिया, एक्वेरियम, डी.एन.ए. का त्रिआयामी मॉडल, बूँद–बूँद सिंचाई तथा झीलों की सफाई के मॉडल प्रस्तुत किए गए।

देखा किसान मेला

छात्राध्यापकों एवं संकाय सदस्यों ने कृषि में आधुनिक तकनीक के प्रचार हेतु विद्या भवन कृषि विज्ञान केन्द्र में लगे किसान मेले में शिरकत की। वहाँ आधुनिक यंत्र देखे, तकनीकों को समझा और प्रश्नोत्तरी में सही जवाब देकर ईनाम जीते।

रिपोर्टर : कुमुद पुरोहित

विद्या भवन कला संस्थान बी.एस.टी.सी.

विद्यालय में गतिविधि कराते विद्यार्थी शिक्षक।

विद्यालय अनुभव कार्यक्रम

विद्यार्थी शिक्षकों को 40 दिवसीय विद्यालय अनुभव कार्यक्रम में समूह बनाकर राजकीय व निजी विद्यालयों में भेजा गया। प्रत्येक 10 दिवस पर स्टाफ के साथ बैठक में आगे की रूपरेखा तैयार की गई। विद्यार्थी शिक्षकों ने विद्यालय की समय–सारणी के अनुरूप शिक्षण कार्य एवं सहशैक्षिक गतिविधियों में हिस्सा लिया। इसी प्रकार, 10 दिन का कार्यक्रम –क्षेत्रीय अभ्यास शिक्षण में सर्वेक्षण कार्य, शिक्षण कार्य, बाल सभा, मूल्यांकन एवं एक पक्ष का सघन अध्ययन तथा प्रतिदिन के प्रतिवेदन तैयार किए गए।

स्काउट गाईड शिविर में शामिल हुए

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाईड स्थानीय संघ उदयपुर द्वारा आयोजित प्रशिक्षण में 45 विद्यार्थी शिक्षकों ने भाग लिया। शिविर में सी.ओ. ने अनुशासन, मानवता व पोशाक पर चर्चा की। रात्रिकालीन सत्र में मनमोहक प्रस्तुतियाँ दी गईं। शिविर में तीन महाविद्यालयों के छात्रों में से कला संस्थान के विद्यार्थी प्रतियोगिताओं में सर्वश्रेष्ठ रहे। अन्तिम दिन रक्तदान शिविर में 14 विद्यार्थी शिक्षकों ने रक्तदान किया।

सजा प्राँगण रंगोली से

शैक्षिक एवं सहशैक्षिक गतिविधियों के अन्तर्गत रंगोली प्रतियोगिता हुई। विद्यार्थी शिक्षकों ने प्राकृतिक वातावरण से प्राप्त वस्तुओं का उपयोग कर रंग संयोजन करते हुए विविध रंगोलियाँ बनाईं।

सीखे मूल्यांकन के नवीन तरीके

प्राध्यापकों तथा विद्यार्थियों की कार्य क्षमताओं का संवर्द्धन करने के लिए अभिनवन कार्यक्रम हुआ। पीरामल फाउण्डेशन की ओर से आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थी शिक्षकों को नियमित कक्षाओं में परीक्षा के महत्त्व व परीक्षाएँ आयोजित कराने के नियमों के बारे में सिखाया गया। विद्यार्थी शिक्षकों ने गिर्वा, सराड़ा एवं बिछीवाड़ा तहसील में सर्वे कार्य भी किया।

निखरी प्राध्यापकों की अभिव्यक्ति

विद्या भवन सोसायटी की ओर से कार्यकर्ताओं के दो दिवसीय खेल–कूद एवं साँस्कृतिक कार्यक्रम में संस्थान की दुर्गा कुमावत सॉफ्ट बॉल थ्रो में प्रथम रहीं। ईशा शर्मा ने नृत्य व आरती गुप्ता ने गीत पेश किया।

कला मेले में डॉ. जाट पुरस्कृत

राजस्थान ललित कला अकादमी की ओर से जयपुर में आयोजित 18वें कला मेले में

संस्थान के व्याख्याता डॉ. मोहनलाल जाट की कृति 'अनटाइटल्ड' (छापाकला) को श्रेष्ठ कृति का पुरस्कार प्राप्त हुआ। जवाहर कला केन्द्र में लगे मेले में तीन सौ से अधिक कलाकारों की कृतियाँ प्रदर्शित की गई थीं। डॉ. मोहनलाल को अकादमी से 2012 का उत्कृष्ट कलाकार सम्मान मिल चुका है। इसके अलावा डॉ. मोहनलाल हाल ही में उदयपुर में आयोजित 8वें साउथ एशियन विश्वविद्यालय महोत्सव में फेस पेण्टिंग प्रतियोगिता के निर्णायक रहे। महोत्सव में सात दक्षिण एशियाई देशों के युवा प्रतिभागी थे।

जनजातीय चित्रकला पर पुस्तक

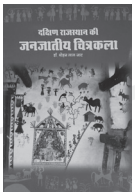

संस्थान के व्याख्याता डॉ. मोहनलाल जाट द्वारा लिखित पुस्तक "दक्षिण राजस्थान की जनजातीय चित्रकला" प्रकाशित हुई है। पुस्तक में प्राचीन काल से लेकर आधुनिक काल तक जनजातियों द्वारा किए गए चित्राँकनों में कला व सँस्कृति के विविध पक्षों पर प्रकाश डाला गया है। पुस्तक के प्रकाशन के लिए लेखक को माणिक्यलाल वर्मा आदिम जाति शोध संस्थान (टी.आर.आई.) से वित्तीय सहायता प्राप्त हुई है।

डाईट सुदृढ़ीकरण पर कार्यशाला

ज़िला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों के मूल्याँकन एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा हेतु सेवारत शिक्षक प्रशिक्षणों को व्यावहारिक एवं अधिक उपयोगी बनाने हेतु राज्य स्तरीय कमेटी का गठन किया गया। इसी संदर्भ में डाईट सुदृढ़ीकरण प्रस्ताव तैयार करने के लिए एस.आई.ई.आर.टी. में हुई कार्यशाला में निजी प्रारंभिक शिक्षा संस्थानों के नवाचार युक्त सुझावों हेतु संस्थान की प्राचार्य डॉ. भगवती अहीर ने अनुभव साझा किए।

मॉड्यूल निर्माण में सहयोग

बी.एस.टी.सी. द्वितीय वर्ष के नवीन पाठ्यक्रम के प्रथम प्रश्न पत्र 'बच्चे व सीखना' के शिक्षण के संदर्भ में प्रशिक्षण मॉड्यूल के निर्माण हेतु एस.आई.ई. आर.टी. द्वारा आयोजित कार्यशालाओं में प्राचार्या डॉ. भगवती अहीर ने 'भाषा एवं सोच' पर प्रशिक्षण की कार्ययोजना प्रस्तुत की।

रिपोर्टर : पूनम दवे

विद्या भवन कृषि विज्ञान केन्द्र

www.vbkvk.org

खाद्य प्रसंस्करण का प्रशिक्षण लेती महिलाएँ।

सीखा सब्ज़ियों, फलों का प्रसंस्करण

महिलाओं में उद्यमिता विकास के उद्देश्य से विद्या भवन कृषि विज्ञान केन्द्र में मौसमी फलों एवं सब्ज़ियों के प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्द्धन का तीन दिवसीय निःशुल्क आवासीय प्रशिक्षण हुआ। प्रशिक्षण में 33 महिलाओं ने भाग लेकर आँवला, टमाटर, नींबू, संतरा, गाजर, मटर, गुलाब आदि के अचार, मुरब्बे, शर्बत व सॉस बनाना सीखा।

मसाला उत्पादन पर प्रशिक्षण

फल, सब्ज़ी एवं मसाला उत्पादन की नई तकनीकों पर 50 किसानों को प्रशिक्षण दिया गया, जो कि राजसमंद के निदेशक उद्यान के संयुक्त तत्वावधान में हुआ। राजसमंद के इन किसानों को विद्या भवन कृषि विज्ञान केन्द्र एवं राजस्थान कृषि महाविद्यालय के वैज्ञानिकों की टीम ने पौधशाला प्रबंधन एवं प्रवर्द्धन की विधियाँ, उन्नत विधियों द्वारा सब्ज़ियों की नर्सरी तैयार करना, हाई–टैक नर्सरी, मसाले वाली फसलों के उत्पादन की उन्नत तकनीक, जैविक उत्पादन, फल एवं सब्ज़ियों में लगने वाले कीट व बीमारियों के उपचार के साथ ही कटाई के उपरान्त प्रसंस्करण से अवगत कराया।

कृषक–वैज्ञानिक संवाद

केन्द्र एवं परियोजना निदेशक के तत्त्वावधान में कृषक–वैज्ञानिक संवाद में उदयपुर ज़िले के 25 प्रगतिशील किसानों ने भाग लिया। संवाद में केन्द्र के कृषि वैज्ञानिकों ने सब्ज़ी उत्पादन द्वारा आय संवर्द्धन, कृषि यंत्रों द्वारा खेती की लागत को कम करना, सुरक्षित अनाज भण्डारण, पशुपालन की गतिविधियाँ, मुर्ग़ीपालन एवं फसलों में पौध संरक्षण के सवालों पर समाधान प्रस्तुत किए।

पशु बाँझपन निवारण पर प्रशिक्षण

पशुपालन गतिविधि के तहत् केंद्र पर 25 राज्य स्तरीय पशु बाँझपन निवारण प्रशिक्षण किए गए। राज्य के सभी ज़िलों के 250 पशु चिकित्सा अधिकारियों को सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया गया। बाँझपन उपचार कार्यक्रम में डेयरी इकाई, बाँझपन चिकित्सा केन्द्र एवं निजी डेयरी फार्म पर ग्याभित पशुओं की सफलता 65 प्रतिशत रही है।

नाबार्ड द्वारा कृषि मेला

केन्द्र पर महान सेवा संस्थान एवं नाबार्ड के संयुक्त तत्त्वावधान में किसान मेला लगाया गया। ज़िला कलेक्टर आशुतोष टी. पेडणेकर ने डेयरी इकाई एवं बाँझपन निवारण इकाई का अवलोकन किया। महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. एस. एल. मेहता ने सब्ज़ी एवं फल उत्पादन द्वारा लाभ प्राप्त करने पर ज़ोर दिया। मेले में 400 किसानों ने भाग लिया।

मल्चिंग पर गाँव में किसानों से चर्चा।

जल संरक्षण हेतु पलवार प्रदर्शन

भीण्डर के धारता जलग्रहण क्षेत्र में ख़रीफ में मक्का की फसल में जल संरक्षण हेतु विभिन्न पलवार प्रदर्शन किए गए। इनमें प्लास्टिक मलच व गेहूँ के भूसे की पलवार के प्रदर्शन लगाये गए। प्रयोगों द्वारा यह पाया गया कि मक्का की फसल में लगायी गयी प्लास्टिक पलवार से नमी तुलनात्मक रूप से अधिक संरक्षित रहती है।

रिपोर्टर : रागिनी राणावत

विद्या भवन शिक्षा संदर्भ केन्द्र

www.vberc.org

पाठ्यपुस्तकों का प्रारूप तैयार, द्विवर्षीय पाठ्यक्रम बनाया

छत्तीसगढ़ में एस.सी.ई.आर.टी., रायपुर को शिक्षा संदर्भ केंद्र विगत 11 वर्षों से अकादमिक सहयोग देता आया है। पिछले वर्ष कक्षा–9 की पाठ्यपुस्तकों का निर्माण शुरू किया गया था। इसी क्रम में जनवरी में 10 दिवसीय कार्यशाला शिक्षा संदर्भ केंद्र में की गई। इसमें राज्य के 17 शिक्षकों व शिक्षा संदर्भ केंद्र की टीम ने मिलकर हिंदी, अंग्रेज़ी, विज्ञान व गणित की पाठ्यपुस्तकों का अंतिम प्रारूप तैयार किया। एन.सी.टी.ई. की नई गाईडलाइन के मद्देनज़र एस.सी.ई.आर.टी. के साथ मिलकर शिक्षा संदर्भ केंद्र ने फरवरी एवं मार्च में बी.एड. का दो वर्षीय पाठ्यक्रम तैयार किया।

स्कूलों के साथ काम

पिछले पांच वर्षों के दौरान क्वेस्ट प्रोजेक्ट के तहत 85 स्कूलों के साथ गहराई से जुड़कर कार्य किया गया। प्रोजेक्ट समाप्त होने के बावजूद केंद्र ने स्कूल में काम की महत्ता को ध्यान में रखते हुए अपने स्तर पर 16 स्कूलों में इस काम को जारी रखा; इस समझ के साथ कि स्कूल का काम हमें अपने काम को बेहतर ढंग से करने में मदद करता है तथा हम सरकार के साथ शैक्षिक विमर्श से जुड़े रह सकते हैं।

काम की प्रकृति में भी थोड़ा संशोधन लाज़मी था। अतः प्रत्येक फैसिलिटेटर ने अपने काम के लिए एक मुद्दा चुना जिस पर उन्होंने बच्चों एवं शिक्षकों के साथ गहराई से काम किया। ये मुद्दे थे– कक्षा–5 की गणित व पर्यावरण की पाठ्यपुस्तक के प्रति नज़रिया, विद्यालय में पढ़ना सीखने के अवसर, कक्षा–1 व 2 में कविताओं के माध्यम से पढ़ना सीखना, अनुशासन की समझ, प्राथमिक गणित और पुस्तकालय। बच्चों द्वारा एक थीम के इर्द–गिर्द काम करते हुए बनाई गई समझ को सभी फैसिलिटेटर्स् ने केंद्र के सभी साथियों के साथ साझा किया। प्रस्तुतीकरण एवं फीडबैक के बाद सभी ने अपनी समझ पर आलेख लिखे।

ey e rhfy;k l efVDl cukr cPpA

खेल–खेल में सीखी अवधारणाएँ

केंद्र की हज़ीरा शाखा द्वारा संचालित 11 एक्टीविटी सेंटर्स् में बच्चों के आँकलन और स्वतः सीखने के कौशल को विकसित करने के उद्देश्य से गत तिमाही में लगभग 2000 बच्चों को 11 वर्कशीट उपलब्ध करवाई गईं। केंद्र बच्चों को पढ़ने–पढ़ाने का माहौल उपलब्ध करवाने हेतु आस–पास के 12 गाँवों में मोबाइल लाइब्रेरी का संचालन कर रहा है।

केंद्र द्वारा गणित को बच्चों के जीवन से जोड़ने और ख़ुद करके सीखने के लिए मैट्रिक्स् मेले का आयोजन किया गया, जिसमें 250 बच्चों ने भाग लिया। बच्चों ने खेल–खेल में वज़न और गुणा, परिमिति और परिधि, नाप–तोल एवं कोण, परिधि आयतन आदि अवधारणाओं को समझा। विद्यालय में 115 बच्चों के साथ विज्ञान के प्रयोगों पर आधारित विज्ञान मेले का आयोजन किया गया।

शिक्षकों का क्षमतावर्द्धन

शिक्षा केंद्र और रिलायंस के संयुक्त तत्त्वावधान में शिक्षकों की क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से पूर्वी गोदावरी क्षेत्र में कार्य चल रहा है।

जनवरी में विषयगत प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत गणित, भौतिक एवं जीव विज्ञान विषयों के लिए योजना तैयार की गई तथा माध्यमिक स्तर के 200 शिक्षकों का क्षमतावर्द्धन किया गया।

फरवरी में शिक्षण शास्त्रीय अभ्यासों को समझने, प्रशिक्षणों की कक्षा में प्रभाविता को जानने तथा भविष्य की संभावनाएँ तलाशने के उद्देश्य से रिलायंस प्रोजेक्ट के स्कूलों में फॉलोअप विज़िट की गईं। इन स्कूलों के 60 शिक्षकों के लिए भाषा एवं गणित की आवश्यक एवं बुनियादी अवधारणाओं को फोकस में रखते हुए दूसरा फॉलोअप प्रशिक्षण किया गया। इन प्रशिक्षणों के फीडबैक ने केंद्र की टीम को शिक्षकों की समझ एवं उनकी ज़रूरतों को समझने में मदद की। फीड बैक के विश्लेषण से ज्ञात हुआ कि शिक्षक अवधारणाओं को फोकस करने वाले ऐसे गहन प्रशिक्षणों में रुचि रखते हैं।

आई. आई. एम. – ड्यूक स्टडी

आई.आई.एम. व ड्यूक युनिवर्सिटी द्वारा पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए चलायी जाने वाली सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावों को जानने के लिए शोध किया जा रहा है। इस शोध द्वारा शिक्षा, नौकरी में आरक्षण एवं रोज़गार के क्षेत्रों में सकारात्मक कार्यवाही (एफरमेटिव एक्शन) तथा महानरेगा जैसे कार्यक्रमों का कितना फायदा मिल पा रहा है, इसका आंकलन किया जाएगा।

इसके लिए उदयपुर ज़िले के 9 ब्लॉकों के 35 गाँवों और 15 क़स्बों को चुना गया है। उक्त शोध में शिक्षा केंद्र आई.आई.एम. को फील्ड स्तर पर सहयोग प्रदान कर रहा है। केंद्र के 12 सहयोगी पिछली तिमाही में शोध हेतु योजना, प्रशिक्षण, दो गाँवों में पायलटिंग एवं उनके डाटा के विश्लेषण के कार्य से जुड़े हैं।

आगामी तिमाही में डाटा संग्रहण, इनपुटिंग एवं विश्लेषण के कार्य से जुड़ाव रहेगा, जिसके तहत पारिवारिक जानकारी हेतु प्रपत्र भरना, जनप्रतिनिधियों से प्रश्नावली भरवाना एवं शिक्षकों से साक्षात्कार किए जाएंगे।

रिपोर्टर : डॉ. कामिनी उपाध्याय

विद्या भवन स्थानीय स्वशासन एवं उत्तरदायी नागरिकता संस्थान

www.vbilsgrc.org

चुनाव–पूर्व सर्वे

संस्थान की ओर से जनवरी में चुनाव–पूर्व सर्वेक्षण किया गया। बड़गाँव एवं गोगुन्दा पंचायत समितियों की 20 ग्राम पंचायतों में 15 प्रश्नों की प्रश्नावली के माध्यम से 76 उम्मीदवारों का साक्षात्कार किया गया। अधिकांश प्रत्याशियों ने योजनाओं के समुचित क्रियान्वयन, शिक्षा को बढ़ावा, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के लिए अपनी प्रतिबद्धता दर्शायी। सरपंच पद के 95.45 प्रतिशत उम्मीदवारों ने रोज़गार पर विशेष ध्यान देने की बात कही तो 86.36 प्रतिशत प्रत्याशियों ने शिक्षा को प्राथमिकता दी। महिला वर्ग को दिए गए आरक्षण पर भी जनप्रतिनिधियों ने अपनी सकारात्मक राय दी। प्रत्याशियों में चुनाव को लेकर उत्साह था और वे धरातल की संस्थाओं की महत्ता तथा क्षमता से परिचित थे।

चुनाव का अवलोकन

पंचायती राज चुनाव–2015 में संस्थान ने बड़गाँव ब्लॉक में मतदान एवं 8 ग्राम पंचायतों में महिलाओं की उम्मीदवारी का अध्ययन किया गया। ब्लॉक में 77.36 प्रतिशत मतदान हुआ जो कि 2010 के चुनाव से 24.56 प्रतिशत अधिक है। 76.86 प्रतिशत महिला मतदाताओं ने मतदान किया। आठ ग्राम पंचायतों में 92 पदों के लिए चुनाव हुआ जिसमें 72 महिलाओं ने नामांकन भरा। इनमें से 38 महिलायें चुनाव जीतीं। 52.78 प्रतिशत उम्मीदवारों ने संस्थान की महिला नेतृत्व कार्यशालाओं में भाग लिया था। महिलाओं की राजनैतिक भागीदारी बढ़ाने के लिये जागरूकता अभियान एवं महिला जनप्रतिनिधियों के लिये विशेष प्रशिक्षणों की ज़रूरत महसूस की गई।

संस्थान के अनुभव व सीख

गत पंचायती राज चुनाव से अब तक संस्थान के अनुभव एवं सीख के लिए जनवरी 2015 में एक अध्ययन किया गया। इसके तहत सघन क्षेत्र (संस्थान द्वारा चयनित 24 पंचायतें) व विस्तार क्षेत्र (ज़िले की अन्य पंचायतें) के 204 जनप्रतिनिधियों से 15 प्रश्नों की प्रश्नावली भरवाई गई। ज्ञात हुआ कि सघन कार्यक्षेत्र में अन्य पंचायतों की तुलना में बेहतर काम हुआ; यहाँ पंचायत मित्रों ने निवास कर जनप्रतिनिधियों व सामुदायिक संस्थाओं को सहयोग दिया। पारदर्शिता, वित्तीय विकेन्द्रीकरण और 'पेसा' एक्ट पर प्रशिक्षण दरकार है। जनभागीदारी बढ़ाने के लिए प्रति वर्ष एक महिला ग्राम सभा की जानी चाहिए। संस्थान ने अपने अनुभव व सीख पर विस्तृत रिपोर्ट प्रकाशित की है।

प्रशिक्षण में साँप–सीढ़ी का खेल खेलते हुए।

प्रशिक्षण एवं पंचायत मेला

पंचायती राज के नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों के लिए चार दिवसीय क्षमतावर्द्धन के तहत 18 आवासीय कार्यक्रम हुए। इनमें 388 जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिनमें 171 महिलायें थीं। 1997 से अब तक 562 कार्यक्रमों में 11735 जनप्रतिनिधियों को प्रशिक्षण दिया गया, जिनमें 4893 महिलायें हैं।

महिला स्वयं सहायता समूहों के 4 प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सघन क्षेत्र की 12 ग्राम पंचायतों के 21 समूहों की 160 महिलाओं ने प्रशिक्षण पाया।

बड़गाँव, गोगुन्दा व गिर्वा पंचायत समितियों पर 3 पंचायत मेले किए। इनमें 168 जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। मेलों के तहत महिला सम्मेलनों में 76 महिलाओं ने भाग लिया। संस्थान अब तक 205 पंचायत मेले व 190 महिला सम्मेलन कर चुका है।

सहभागी शासन ही श्रेष्ठ

सहभागी एवं समन्वयकारी शासन की स्थापना कठिन है, समय और संसाधनों की लागत भी अधिक है, किन्तु यही श्रेष्ठ व्यवस्था है। सुशासन हेतु तीन बातें देखनी चाहियें– नियन्त्रण किसके पास है, व्यवस्था के ढर्रे पुराने हैं या नयापन है और निर्णय का आधार संख्या–बल है या आपसी विचार–विमर्श। ये विचार ऑस्ट्रेलिया की ग्रिफिथ युनिवर्सिटी के रिसर्च फैलो डॉ. टिमथी मार्क कैडमैन ने "वर्तमान वैश्विक शासन की गुणवत्ता का आकलन : सिद्धान्त, विश्लेषण एवं व्यवहार" विषय पर संस्थान द्वारा 7 मार्च को आयोजित वार्ता में व्यक्त किए।

जैण्डर–सम्वेदनशील हो बजट

संस्थान की ओर से 'जैण्डर बजटिंग' पर 13–14 मार्च को ज़िला स्तरीय कार्यशाला की गई, जिसमें 50 सम्भागी थे। सेवा मंदिर की स्वाति पटेल ने 'जैण्डर की मुख्य संकल्पना, जैण्डर समानता एवं समता तथा जागरूकता एवं भेदभाव' विषय पर स्पष्ट किया कि यौन प्राकृतिक स्थिति है, जबकि जैण्डर सामाजिक सोच का परिणाम है। किन्नरों एवं ट्रान्सजैण्डर को विकास की धारा में कोई स्थान नहीं दिया गया है। विद्या भवन सोसायटी के अध्यक्ष रियाज़ तहसीन ने कहा कि महिला व पुरुष में समता के आधार पर नीतियाँ व कार्यक्रम बनें।

मुख्य आयोजना अधिकारी सुधीर दवे ने 'जैण्डर आधारित आयोजना एवं बजट की आवश्यकता तथा जैण्डर सम्वेदनशील ज़िला आयोजना' पर प्रेज़ेण्टेशन में बताया कि विभागों से ज़रूरी आँकड़े नहीं मिलना व पुरुष प्रधान मानसिकता सबसे बड़ी बाधायें हैं। आगामी ज़िला आयोजना में स्वयंसेवी संस्थाओं को साथ लेकर पायलट प्रोजेक्ट करेंगे। आस्था की वर्षा झंवर ने 'ग्राम स्तरीय कार्यक्रमों का जैण्डर आधारित विश्लेषण एवं स्वयं सेवी संस्थाओं की

भूमिका' के संदर्भ में बजट के प्रभावी मूल्यांकन पर बल दिया। पूर्व विकास अधिकारी रमेश जैन ने पंचायती राज को हस्तान्तरित 5 विभागों में जैण्डर बजटिंग पर विचार रखे; तदुपरांत 5 समूहों में चर्चा कर कार्य–बिन्दु पेश किए गए।

कार्यशाला को संबोधित करते ज़िला प्रमुख।

पंचायती राज का भावी एजेण्डा

पंचायती राज चुनाव–2015 के बाद पंचायती राज के सशक्तीकरण के लिए आगामी 5 वर्षों का एजेण्डा तैयार करने हेतु संस्थान की ओर से 27–28 मार्च को ज़िला स्तरीय कार्यशाला की गई। निदेशक डॉ. टी. प्रभाकर रेड्डी व के.सी. मालू ने संस्थान के प्रयासों की जानकारी दी। ज़िला प्रमुख शान्तिलाल मेघवाल ने कहा कि जनप्रतिनिधि सच कहने में न हिचकिचायें और अपने अधिकारों का प्रयोग करें। विद्या भवन सोसायटी के अध्यक्ष रियाज़ तहसीन ने कहा कि गाँवों के गुणों को भी विकास की प्रक्रिया का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। प्रो. अरुण चतुर्वेदी ने कहा कि पंचायती राज के नए एजेण्डा में तकनीक, प्रशासनिक एवं वित्तीय नियन्त्रण का व्यावहारिक ज्ञान शामिल होना चाहिए। सह–निदेशक हेमराज भाटी ने ग्राम सभा का सशक्तीकरण, प्रशासनिक रवैया, 29 विषयों का हस्तान्तरण का ज़िक्र किया। डॉ. अल्पना जैन ने 'पंचायती राज व्यवस्था में वित्तीय विकेन्द्रीकरण', प्रो. वेद्दान सुधीर ने 'तृणमूल स्तर पर जन–भागीदारी', अश्विनी पालीवाल ने 'पंचायती राज को कार्यों व अधिकारों का हस्तान्तरण' एवं प्रो. ज़ैनब बानू ने 'लोकतान्त्रिक संस्थाओं के माध्यम से महिला सशक्तीकरण' पर विचार रखे। तीन समूहों में चर्चा एवं कार्य–बिन्दुओं का प्रस्तुतीकरण हुआ।

इला बेन, कुलभूषण आए

सामाजिक कार्यकर्ता एवं महात्मा गाँधी की पौत्री इला बेन 12 फरवरी को संस्थान आईं। विद्या भवन के बोर्ड ऑफ कण्ट्रोल के सदस्य कुलभूषण कोठारी ने 14 फरवरी को जनप्रतिनिधियों के प्रशिक्षण के समापन में शिरकत की।

रिपोर्टर : डॉ. स्मिता श्रीमाली

विद्या भवन फैकल्टी डवलपमैण्ट कमेटी

मूल्यांकन पर बनाई समझ

विद्या भवन सोसायटी की फैकल्टी डवलपमैण्ट कमेटी (एफ.डी.सी.) की बैठकों में फॉलोअप कार्यशालाओं की रूपरेखा तय की गई। विद्यालय समूह की आवश्यकता के आधार पर मूल्यांकन व आंकलन पर समझ बनाने के लिए विद्या भवन के तीनों विद्यालयों के कक्षा–5 व कक्षा–8 के प्रश्न–प्रत्रों का विश्लेषण किया गया। इस आधार पर सभी विषयों के नवीन प्रश्न–पत्र वर्कशीट के रूप में तैयार किए गए। फरवरी में मूल्यांकन पर स्टाफ सदस्यों की समझ बनाने हेतु कार्यशाला में 65 सदस्यों ने भाग लिया। प्रो. कमल महेन्द्रु ने सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन तथा पुस्तक में दी गई विषयवस्तु को जाँचने व अवधारणाओं की समझ जाँचने के फर्क़ को बताया। इसी के आधार पर सदस्यों ने विद्या भवन के विद्यालयों में ली जा रही परीक्षाओं के प्रश्न–पत्रों का अवलोकन किया तथा प्रश्नों का स्तर निर्धारित कर नवीन प्रश्न–पत्रों का निर्माण किया। इन प्रश्न–पत्रों की पायलेटिंग कर जवाबों का विश्लेषण किया जाएगा।

ग़ैर शैक्षणिक कर्मचारियों की कार्यशाला

ग़ैर–शैक्षणिक कर्मचारियों हेतु मार्च में एक कार्यशाला हुई। प्रथम सत्र में डॉ. दीपक गुप्ता एवं डॉ. मोनिका ने कार्यशाला की आवश्यकता एवं कर्मचारियों में उत्साह पर प्रकाश डाला। द्वितीय सत्र में एस.पी. गौड़ एवं डॉ. अनिल मेहता ने व्यवहार का विश्लेषण किया। कार्यालय से सम्बन्धित कार्यप्रणाली, संस्था प्रधान के अधिकार, विद्या भवन के सर्विस नियमों के बारे में जानकारी दी गई।

कार्यशालाओं की रूपरेखा बनाई

महाविद्यालय समूह की आगामी कार्यशालाओं की रूपरेखा पर चर्चा हुई। महाविद्यालयों के स्टाफ एक पुस्तक समीक्षा एवं एक शोध पत्र अथवा शोध प्रायोजना तैयार कर 30 अप्रैल तक जमा कराएँगे। इस कार्य के लिए 14 दिवस के बराबर श्रेयांक (क्रैडिट) माने जाएँगे। वे कार्यशाला में प्रस्तुतीकरण करेंगे तथा विषय विशेषज्ञों द्वारा शोध में साँख्यिकी पर आधारभूत समझ बनाई जाएगी।

रिपोर्टर : डॉ. भगवती अहीर

Book-Post (Printed Matter)

If undelivered please return to:
Vidya Bhawan Education Resource Centre
Vidya Bhawan Society Campus,
Dr. Mohan Sinha Mehta Marg,
Fatehpura, Udaipur (Raj.) - 313004.
Phone : 0294-2451497
E-mail : vbkhojkhabar@gmail.com
Website: www.vberc.org / www.vidyabhawan.org

To,

....

....

....

....

iadk'kd % fo|k Hkou f'k{kk lanHk dsUnz] Mk- eksgu flag esgrk ekxZ] fo|k Hkou lkslk;Vh ifjlj] mn;iqj ¼jkt-½ Qksu % 0294&2451497
eqnzd % lqt; fizUVlZ] 71&efgyk e.My dks ikl] mn;iqj ¼jkt-½ Qksu % 9001000700] 9414316479